# गोपाल कृष्ण मेरे कर दूर तूँ अँधेरे

गोपाल, कृष्ण मेरे, कर, दूर तूँ अँधेरे ॥
वस जायो, मन में मेरे ॥, दुखड़े, हरो तुम मेरे...
गोपाल, कृष्ण मेरे...

झूम झूम के, महिमा गाए, जो भी तेरे, दर पे आए।
सुँदर सूरत, देख के तेरी, राधा ने भी, तेरे गुण गाए ॥
बँसी वाले, मुरली मनोहर ॥, मेरे दिल में, लगा ले डेरे...
गोपाल, कृष्ण मेरे...

ऑखे तेरी, मोतियन माला, सुँदर है मेरा, बृज गोपाला।
सूरत तेरी, इतनी प्यारी, सारे जगत से, है यह न्यारी ॥
तेरा ध्यान मैं, निस दिन ध्याऊँ ॥, आजा अब तो, पास तूँ मेरे...
गोपाल, कृष्ण मेरे...

सुने मन में, ज्योत जलाई, सारी दुनियाँ, तूने बनाई।
रोते हुए को, तूने हँसाया, तूने सब की, विगड़ी बनाई ॥
मेरी भी तो, विगड़ी बना दे ॥, आई आज मैं, द्वार पे तेरे...
गोपाल, कृष्ण मेरे...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33005/title/Gopal-Krishna-mere-kar-door-tu-andhere

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |